www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

UGC NET PAPER 2 NOVEMBER 05, 2017 SHIFT 1 RAJASTHANI QUESTION PAPER

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory.**

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक है। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

1. 'आपस री फूट मिनख मरावै' - इण वाक्य रौ 'फूट' सबद किण भांत री संज्ञा रौ बोध करावै ?
   (1) भाववाची (2) द्रव्यवाची (3) व्यक्तिवाची (4) जातिवाची

2. नीचै लिख्योड़ी में सूं उच्चारण री दीठ सूं 'प् फ् ब् भ्' ध्वनियां रौ नाम है :
   (1) ताळवी (2) कंठ ताळवी (3) ओष्ठ्य (4) नासिक्य

3. नीचै लिख्योड़ा में किसै क्रम माथै लिख्योड़ा सगळा सबद 'भालै' रा पर्यायवाची है ?
   (1) कंठीर, चमू, गैण (2) सेल, कूंत, त्रभाग
   (3) केकांण, सुभट, मईयौ (4) विटप, गिड़, ऐण

4. 'राजा रांणी 'नूं' कहइ, बात विचारउ जोइ।
   आज विखइ द्यां दीकरी, हांसउ हसिली लोइ॥'
   — ढोला मारू रा दूहां' री इण ओळियां में आयोड़ै 'नूं' सबद में किसौ कारक है ?
   (1) सम्बन्ध (2) सम्बोधन (3) सम्प्रदान (4) करम

5. 'पाखती-पाखती' सबदां रै जोड़ै में किसौ समास है ?
   (1) अव्ययीभाव (2) तत्पुरुस (3) बहुब्रीहि (4) करमधारय

6. 'उगंतै रौ माछळौ, आथण मोग हुलास।
   , जद बरसण री आस॥'
   - शकुन-विचार वाळै इण दूहै री खाली जागा में आवणवाळी सही 'झड़' है :
   (1) आभौ सोसनिया बणै (2) आभै में आंधी उडै
   (3) आभै री आंख्या खुलै (4) बादळ कर गरमी करै

7. 'छहुं रित रहै वेल तर छायौ,
   झरणा नवल खयाल झरै।
   ,
   काळौ गिरां बणाव करै॥'
   - आबू रै पहाड़ रै गीत री खाली जागा री सही ओळी है :
   (1) वरसाळौ आयौ बिरखा रौ (2) बिरखा री गरणाई कांठळ
   (3) काळा मेघ झर्या चहुं कूंटां (4) वरसाळौ आयौ मतवाळौ

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

8. 'राजस्थान रो एक प्राचीन नगर-वीकमपुर' निबन्ध रा लेखक है :

(1) भूरसिंह राठौड़ (2) अगरचंद नाहटा

(3) सौभाग्य सिंह शेखावत (4) किरण नाहटा

9. 'सुकरवारी बादळी, रही सनीचर छाय।
डंक कहे हे भाडळी, ॥'
- इण शकुन-विचार वाळै दूहै री खाली जागा री सही ओळी है -

(1) बिन बरस्यां ना जाय (2) बरस्यां बिन ही जाय

(3) बरसंती सरमाय (4) बाजै कोरी वाय

10. 'कवित्ते अलू, दूहे , पात ईसर विद्या चौ पूर।
छंद मेहो, झूलणो मालो, सूर पदे, गीते हरसूर॥'
- इण काव्य ओळियां में खाली जागा वाळौ सही नाम है :

(1) परमानंद (2) आसाणंद (3) करमाणंद (4) करूणानंद

11. 'क्यामखांरासा' रै कवि जान रौ सम्बन्ध राजस्थान री किण आंचलिकता सूं है?

(1) शेखावाटी (2) हाड़ौती (3) जंगळधरा (4) मेवात

12. 'गज गुण रूपक - बंध' किण कवि री रचना है?

(1) कुशललाभ (2) गाडण केसोदास (3) सांदू माला (4) ऊमरदान लाळस

13. नीचै लिख्योड़ै नामां में सूं किसौ वाद्य 'सुषिर - वाद्य' रौ उदाहरण है?

(1) मोरचंग (2) कमायचा (3) नड़ (4) डफ

14. 'मूळ सबद रो' अरथ ग्रंथ में ई सबद रै ऊपर नीचै कै बाजू में जठै ई जगा व्है लिख देवै, प्राचीन अर मध्यकालीन उण गद्य विधा रौ नाम हैं' :

(1) टब्बा (2) वंशावळी (3) विगत (4) गुर्वावळी

15. 'राव अमरसिंह रा दूहा' रा रचनाकार है :

(1) किसना आढा (2) दयालदास (3) नरहरिदास बारहठ (4) बखता खिड़िया

16. किसौ सबद 'खेती सूं सम्बन्ध नी' राखै?

(1) हळ (2) नाई (3) हाल (4) डागळौ

17. 'वज्रसेन सूरि' रचित 'भरतेश्वर बाहुबलिघोर' किण भांत रौ काव्य है?

(1) मुक्तक काव्य (2) खण्ड काव्य (3) चम्पू काव्य (4) लौकिक काव्य

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

18. राजस्थानी री किसी पत्रिका 'अनुवाद-साहित्य' सूं सम्बन्ध राखै ?
(1) हथाई (2) अपरंच (3) अनुसिरजण (4) लीलटांस

19. 'पिछवाई चित्र - शैली' रौ सम्बन्ध किण ठौड़ सूं है ?
(1) नाथद्वारा (2) किशनगढ़ (3) बूंदी (4) जयपुर

20. दुर्ग स्थापत्य री दीठ सूं किसौ दुर्ग जळ-दुर्ग रै नाम सूं जाण्यौ जावै ?
(1) रणथंभौर (2) मोरध्वज (3) चित्तौड़ (4) गागरोण

21. 'जदै लग हिंगळू हाटां मांय,
मिनख रै कंठ हियौ अर नैण।
तदै लग कर कर मूमल कोड,
सांईणी झुरसी थारा सैण॥'
- ऊपर लिख्योड़ी काव्य-ओळियां राजस्थानी री किण बोली री है ?
(1) मेवाड़ी (2) मारवाड़ी (3) ढूंढाड़ी (4) हाड़ौती

22. 'आई सासरा री पाळ, झीणौ घूंघटौ निकाळ।
उडता पल्ला नै संभाळ, जूण मरण सुख दुख रौ,
अैकल आसरौ,
लाज रौ लंगार,
आयौ सासरौ।'
- ऊपर लिख्योड़ी गीत री ओळियां वाळै गीतकार रौ नाम है :
(1) विश्वनाथ 'विमलेश' (2) कल्याणसिंह राजावत
(3) गजानन वर्मा (4) रेवतदान चारण

23. राजस्थानी लोकगीतां में पिता सारूं जिका कल्पना-प्रवण नाम है, उणरौ किसौ जोड़ौ सही हैं ?
(1) जळधर - हेमाचळ (2) जळधर - जंजाळ
(3) हेमाचळ - रातादेई (4) जळधर - गळझर

24. नीचै लिख्योड़ी में सूं किसी पत्रिका राजस्थानी भाषा री नीं है ?
(1) मरुधारा (2) अपरंच (3) कथेसर (4) कथादेश

25. नीचै लिख्योड़ी एकांकिया में सूं किसी एकांकी गणपतिचन्द्र भंडारी री है ?
(1) कामरान री आँखड़ल्यां (2) सीहण जाया साव
(3) बोळावण (4) वीरमती

26. नीचै लिख्योड़ी रचनावां में सूं किसी रचना आधुनिक काळ रा कथाकार करणीदान बारहठ री नीं है ?
(1) मंत्री री बेटी (2) आदमी रो सींग
(3) लाडली अेकर फेरूं गमगी (4) माटी री महक

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

27. 'लूंठै रौ डोकौ, डांग नै फाड़ै' – इण कहावत रौ सही अरथ है :

(1) स्वारथ रौ साथ (2) ताकतवर री जीत

(3) गरीब रौ कोई नीं (4) लूंठै री प्रीत

28. नीचै लिख्योड़ी कृतियां अर रचनाकारां रै नामांवाळौ किसौ जोड़ौ गळत है ?

(1) चरकास – चैनसिंह परिहार (2) हिलोरो – बुलाकी शर्मा

(3) ओळखांण – बैजनाथ पंवार (4) आड़ंग – सत्येन जोशी

29. राजस्थानी कथाकार विजयदान देथा 'विज्जी' नै 'बातां री फुलवाड़ी' रै किण भाग माथै साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली रौ पुरस्कार मिळियौ हौ ?

(1) दसवें (2) ग्यारहवें (3) सातवें (4) आठवें

30. 'छोरा – छोरी दूध बिना रे, चून बिना घर नार,
नाज नहीं छै, लूण नहीं छै, नहीं तेल री धार।'
– स्वतंत्रता-आंदोलन री इण काव्य – ओळियां रा कवि है ?

(1) अर्जुनलाल सेठी (2) हीरा लाल शास्त्री

(3) भैरवलाल काळा बादळ (4) जयनारायण व्यास

31. सौभाग्य सिंह शेखावत रौ नाम साहित्य रै किण क्षेत्र में काम करण सारूं चावौ है ?

(1) प्रकाशन (2) शोध (3) पत्रकारिता (4) गीतकार

32. 'जग में राम तुहालै जोड़ै,
हुवौ न कोई फेर हुवै।'
– ऊपर लिख्योड़ी काव्य-ओळी में काव्य-दोस है :

(1) हीण (2) नाळछेद (3) पखतूट (4) अमंगळ

33. 'रम्मत' सूं जुड़ियोड़ौ 'माडधरा – आंचलिकता' रौ किसौ जगचावौ नाम है ?

(1) लच्छीराम (2) दूलिया राणा (3) सत्येन व्यास (4) तेज कवि

34. 'पड़' संज्ञक लिख्योड़ी लोकगाथावां में किण 'पड़' रौ वाचन कदैई नीं व्है, पण पूजा जरूर व्है, वा किसी पड़ है ?

(1) रामदला री पड़ (2) कृष्णदला री पड़ (3) माताजी री पड़ (4) देवनारायण री पड़

35. चांदणी जद उतरी, कांकड़ कांकड़ खेत खेत।
बाथां भर भर मळक्या, काळा ढेकळ भूरी रेत॥'
– आधुनिक राजस्थानी काव्य रै प्रकृति – परक रूप रा रचनाकार कवि है :

(1) दुर्गादान सिंह गौड़ (2) प्रेमजी 'प्रेम' (3) मुकुट मणिराज (4) सुरेन्द्र सोलंकी

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

36. 'ईडरगढ़ ओंबा ओंबली ईडरगढ़ दाड़मदाख।
ईडरगढ़ रै गोरवैं, रिड़मल बारै लाख॥'
– इण गीत रौ 'रिड़मल' लोक गाथा रौ अेक नायक है, इण नायक रौ सम्बन्ध किण आंचलिकता सूं है?
(1) खाबड़ (2) राहड़धरा (3) माडधरा (4) नैयड़

37. ''लै ठाकुर वित्त आपणौ, देतौ रजपूतांह।
धड़ धरती पग पागड़ै, अंत्रावळि ग्रीझांह॥'
–अै काव्य ओळियां किण कवि री हैं?
(1) गाडण केसोदास (2) जग्गा खिड़िया (3) सूर्यमल्ल मीसण (4) ईसरदास

38. 'माणस मुरधरिया मांणक सम मूंगा
कोडी कोडी रा करिया श्रम सूंगा।'
– अै काव्य ओळियां कवि ऊमरदान री किण कविता री है?
(1) असंतां री आरसी (2) अमल रा औगण (3) छपना रौ छंद (4) प्रताप प्रशंसा

39. 'सीपी पाळ पेट में मोती
गूंगी मरण बुलावै क्यूं?'
– आधुनिक काळ रै किण कवि री अै कविता ओळियां है?
(1) कन्हैयालाल सेठिया (2) सत्यप्रकाश जोशी
(3) सत्येन जोशी (4) रामनाथ व्यास 'परिकर'

40. 'किणी घटना री खास बात अर खरी जाणकारी वाळी विधा नै राजस्थानी में कैवै' :
(1) याददास्त (2) हकीकत (3) विगत (4) पट्टावली

41. 'हुवा दुखी हिंदवाण रा, रूकी न गोरां राह।
बिकट लड़्या सहियो बिखो, वाह आउवा वाह॥'
– औ दूहौ स्वतंत्रता सेनानी खुसालसिंह 'आउवा' सारूं है। इण दूहै रा रचनाकार कवि है :
(1) केसरीसिंह बारहठ (2) शंकरदान सामौर
(3) ऊमरदान लाळस (4) नाथूसिंह महियारिया

42. 'डिंगळ' सबद री उत्पति 'डगळ' सबद सूं हुई है।'
– आ मान्यता डिंगळ रै सम्बन्ध में किण विद्वान री है?
(1) हरप्रसाद शास्त्री (2) सुनीतिकुमार चटर्जी
(3) किशोरसिंह बार्हस्पत्य (4) अगरचंद नाहटा

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

43. 'रागां सिंधू रीझिया, खागां तन झड़ियांह।
गढ़ हूं ऊँची दीसवै, भड़ री झूंपड़ियांह॥'
– इण दूहै रा रचनाकार है :
(1) सूर्यमल्ल मीसण (2) उदयराज ऊजळ (3) नाथूसिंह महियारिया (4) शंकरदान सामौर

44. 'राति ज रूंनी निसह भरी, सुणी महाजनि लोई।
हाथाळी छाला पड़्या, चीर निचोई निचोई॥'
– इण दूहै में किसौ अलंकार है?
(1) उत्प्रेक्षा (2) संदेह (3) अतिशयोक्ति (4) वक्रोक्ति

45. राजस्थानी साहित्य में 'राजमती' किण चावै ग्रंथ री नायिका है?
(1) वीरमायण (2) सगत रासौ (3) पृथ्वीराज रासौ (4) बीसलदेव रासौ

46. नीचै लिख्योड़ी कृतियां में सूं किसी कृति बारहठ आसाणंद री नीं है?
(1) राउ चन्द्रसेण रा रूपक (2) गुण निंदा – स्तुति
(3) रावळ माला सलखावत रौ गुण (4) गुण निरंजन प्राण

47. 'लोकमान्यता मुजब पृथ्वीराज रासौ नै पूरण करणवाळै कवि रौ नाम है :
(1) जल्हण (2) पाल्हण (3) काल्हण (4) चांदण

48. राजस्थानी रा नख-शिख बरणाव वाळा दो लोकगीत चावा है, उणरौ सही जोड़ौ है :
(1) मूमल - जल्लो (2) मूमल - मरवौ (3) मूमल - सपनौ (4) मूमल - झेडर

49. 'कविराव मोहनसिंह' राजस्थान रै किण रजवाड़ै रा राजकवि हा?
(1) बूंदी (2) मारवाड़ (3) मेवाड़ (4) सिरोही

50. 'राजस्थान री पवित्र संस्कृति अर ऊजळो आदर्स जे संसार में अमर राखणो है तो राजस्थानी भासा नै सींचणी नै पोखणी जरूरी है। इण री जड़ां मजबूत करण रै खातर, नै फूलां छाई राखण वास्तै घणो जरूरी है कै मातभासा में सिक्षण सरू करायो जावै। इण पंथ में कोई मोटा अभाव नीं है। छोटी-मोटी कमियां आप सूं आप हटती जावैली। ईस्वर रौ अनुग्रह नै सरस्वती री किरपा है कै आज अनेक विद्वान नै मातभासा रा सपूत लाडला इण री सेवा में कमर कसियाँ खड़्या है।'
इण गद्य अवतरण रौ ओपतौ सार वाक्य है :
(1) संस्कृत एक ऊजळौ आदर्स है।
(2) राजस्थानी भासा री जड़ां मजबूत करण सारूं मातभासा में सिक्षण करावणौ जरूरी है।
(3) मातभासा राजस्थानी संस्कृति री पवितर भासा है।
(4) मातभासा लाडलां सपूतां री भासा है।

- o O o -

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Space For Rough Work

Prepp
Your Personal Exams Guide